B.SC. NURSING (AYURVEDA) FIRST YEAR

विषय : 1.1 सामान्य संस्कृत

क्र.सं.	
1	संज्ञा – प्रकरण तथा वर्ण विचार
2	सन्धि – प्रकरणम्
3	समास – प्रकरणम्
4	कारक – प्रकरणम्
5	प्रत्यय – प्रकरणम्
6	शब्दरूप
7	धातु रूप
8	संख्या
9	वाच्य परिवर्तन
10	अशुद्धि संशोधनम्
11	हिन्दी संस्कृतानुवादः
12	छन्द – परिचयः
13	अलंकार – प्रकरणम्
14	पत्र–लेखन
15	निबन्ध – माला

विषय : 1.2 आयुर्वेद परिचय एवं सिद्धांत

क्र.सं.	
1	आयुर्वेद उत्पत्ति, आयु का लक्षण, प्रकार व प्रमाण।
2	आयुर्वेद का लक्षण, प्रयोजन, अंग (अष्टांग) परिचय।
3	आयुर्वेद सिद्धान्त :– 1. त्रिमहागुण, पंचमहाभूत, त्रिदोष। 2. सप्तधातु, उपधातु, ओज, मल का संक्षिप्त परिचय एवं इसका परस्पर सम्बन्ध। 3. प्रकृति – विकृति सिद्धान्त, कार्य कारण सिद्धान्त। 4. त्रिदोष एवं रोगोत्पत्ति सिद्धान्त का वरिष्ट ज्ञान।
4	सृष्टि उत्पत्ति क्रम, अग्नि, कोष्ठ, आम एवं आमविष परिचय।
5	षट् – पदार्थ का सामान्य परिचय, रस – गुण ' वीर्य – विपाक – प्रभाव का सामान्य परिचय एवं उनकी कार्मुकता।
6	धारणीय व अधारणीय वेग, उनके लक्षण एवं सामान्य उपचार।

N.K. Sharma
19/10/2023

विषय : 1.3 परिचर्या का मूलभूत सिद्धांत

क्र.सं.	
1	परिचर्या परिचय परिचर्या शब्द की निष्पति, परिभाषा एवं प्रकृति, परिचर्या का क्षेत्र, परिचर्या का महत्व, परिचर्या का सिद्धान्त, परिचर्या का इतिहास, परिचर्या का विकास क्रम, परिचारक/नर्स की परिभाषा, परिचारक के पर्याय, व्यक्तिगत गुण, व्यवसायिक गुण।
2	स्वास्थ्य रक्षा अभिकरण चिकित्सालय व समुदाय, चिकित्सालय के कार्य, चिकित्सालय व्यवस्था, परिचारक का रोगी एवं उनके अभिभावकों के प्रति व्यवहार, परिचारक का चिकित्साधिकारी के प्रति व्यवहार, परिचारक का सहकर्मियों तथा अधीनस्थ कर्मचारियों के प्रति व्यवहार, रोगी के घर जाने पर परिचारक का कर्तव्य, रात्रिकालीन ड्यूटी के परिचारक का कर्तव्य।
3	रोगी परिचर्या स्वस्थ परिचय, आतुर परिचय, स्वस्थ स्थिति के आयाम, चिकित्सालय में रोगी के प्रवेश की प्रक्रिया, शैय्या के प्रकार एवं सहायक उपकरण, शैय्याओं को सुसज्जित करने की विधि, चिकित्सालय में भर्ती की समुचित देखभाल की प्रक्रिया एवं योजना निर्धारण, चिकित्सालय के रिकार्ड संधारण, रोगी की निर्गम की प्रक्रिया।
4	रोगी की आवश्यकतानुसार परिचर्या रोगी के मुख आदि शारीरिक अंगो की स्वच्छता एवं दैनिक, कार्यों में सहयोग करना, रोगी के पोष्ण सम्बन्धी आवश्यकता, शैय्या व्रण, रोगी को स्थानान्तरिक करने के तरीके।
5	रोगी परीक्षण के सिद्धान्त व प्रक्रिया प्रश्न परीक्षा, दर्शन परीक्षा, स्पर्शन परीक्षा, श्रवण परीक्षा, रोगी की शारीरिक परीक्षा, शारीरीक तापक्रम, नाड़ी, श्वसन गति, रक्तभार, रोगी विवरण पत्रक भने के नियम।
6	चिकित्सा सम्बन्धी कार्य व परिचर्या एनीमा – गुद बस्ति, योनि प्रक्षालन, गुद परिषेक, व्रण बन्धन, विसंक्रमण, प्रयोगशाला परीक्षण हेतु नमूनों का संग्रहण, शीत उष्ण प्लोत
7	औषध व्यवस्था औषध वितरण व्यवस्था, औषध की प्रकृति एवं मात्रा, नैतिक व विधि की जानकारी, औषध देने की विधि या मार्ग, विषाक्त औषधियों के रखने की विधि।

N.K.Sharma
19/10/2023

विषय : 1.4 सूचना तकनीकी का सामान्य ज्ञान

क्र.सं.	
1	कम्प्यूटर का परिचय
2	इनपुट यूनिट तथा आउटपुट युनिट
3	सैकण्डरी स्टोरेज डिवाइस
4	डाटाबेस प्रबन्धन प्रणाली
5	इन्टरनेट तकनीकी
6	शब्द संसाधन
7	विडोंज का परिचय
8	माइक्रोसॉफ्ट वर्ड
9	माइक्रोसॉफ्ट एक्सल
10	पॉवर – पांइट का परिचय
11	मल्टीमीडिया टेक्नोलॉजी
12	ऑपरेटिंग प्रणाली
13	कम्प्यूटर ऐडेड टीचिंग एण्ड टेस्टींग
14	स्वास्थ्य शिक्षा में कम्प्यूटर शिक्षा तथा श्रव्य दृश्य माध्यम का सामान्य परिचय
15	मीडिया का सामान्य परिचय
16	ग्राफिक्स तथा स्टेटिकल पैकेज का सामान्य उपयोग

N.K.Sharma
19/10/2025

विषय : 1.5 शरीर रचना

क्र.सं.	
1	Unit-1 1. शरीर उपक्रम षडंग शारीर 2. शारीरिक शब्द इकाई
2	Unit-2 गर्भ शारीर, गर्भ धारण का सिद्धांत, पोषण, संवहन शुक्राणुजनन और ओजेनेसिस ।
3	Unit-3 1. अस्थि शारीर 2. कंकाल पर प्रदर्शन के साथ हड्डियों और जोड़ों का अध्ययन 1. हड्डियों, हड्डियों के प्रकार संरचना और निर्माण 2. कंकाल 3. संधि का वर्गीकरण 3. पेशी प्रणाली का अध्ययन (पेशी शारीर) 1. मांसपेशियों और संरचना के प्रकार (पेशी के प्रकार) 2. कंकाल की मांसपेशी (कंकालिय पेशी) 3. हृदय की मांसपेशी (हृदय पेशी) 4. चिकनी मांसपेशी
4	Unit-4 **1. संचार प्रणाली (Circulatory system)** 1. दिल और इसकी संरचना (हृदय का सचित्र वर्णन) 2. पोर्टल नस (Vein) **2. श्वसन प्रणाली (Respiratory System)** 1. नाक और फेफड़ों की संरचना **3. पाचन तंत्र (Digestive system)** 1. मुंह, ग्रसनी, अन्नप्रणाली और पूरे जठरांत्र संबंधी मार्ग और ग्रंथियां भी जुड़ी हुई हैं। 2. यकृत, अगनाशय में पित्ताशय, प्लीहा **4. मूत्र प्रणाली गुर्दे, मूत्रवाहिनी, मूत्राशय की संरचना का प्रदर्शन** **5. अंतःस्रावी तंत्र** 1. सभी अंतः स्रावी ग्रंथियां (पिट्यूटरी, अधिवृक्क थायराइड) **6. तंत्रिका तंत्र और विशेष इंद्रियां** 1 मस्तिष्क 2 रीढ़ की हड्डी 3 तंत्रिका तंत्र का वर्गीकरण 4 आंख कान और नाक **7. प्रजनन प्रणाली** 1. पुरुष संरचना 2. महिला संरचना

N.K.Shamy
19/10/2023

विषय : 1.6 शरीर क्रिया

क्र.सं.	
1	Unit-1 दोष धातु मल स्रोतस, उपधातु ओज सिरा धमनी इंद्रीयों और प्रकृति का संगठन परिभाषा एवं वर्गीकरण तथा शरीर पर क्रियात्मक प्रभाव
2	Unit-2 1. कोशिका कार्यिकी एवं परिचय 2. रक्त लसीका एवं उत्तकिय तरल
3	Unit-3 **1. रक्त परिसंचरण तंत्रः** 1 हृदय की संरचना एवं कार्य एवं रक्त वाहिनियां 2 हृदय दर का नियमन एवं रक्तदाब **2. श्वसन तंत्रः** 1 श्वसन तंत्र की कार्यिकी एवं श्वसन प्रक्रिया 2 श्वसन का नियमन 3 अनोक्सिया, साइनोक्सिस डिस्निया **3. पाचन संस्थानः** 1 लार ग्रंथियां एवं आमाशयिक ग्रंथियां की कार्यिकी, संगठन एवं नियमन 2 पित्त, अगनाशय स्राव एवं आंत्रिक रस। 3 जठर आंत्रिक अवशोषण प्रक्रिया 4 यकृत के कार्य **4. उत्सर्जन तंत्रः** 1 वृक्क की संरचना एवं कार्य 2 त्वचा की संरचना एवं कार्य **5. अंतः स्रावी ग्रंथियां एवं मेटाबॉलिज्मः** 1 अंतः स्रावी ग्रंथियां के प्रकार एवं कार्य 2 अंतः स्रावी ग्रंथियां का नियमन 3 नर एवं मादा प्रजनन तंत्र की कार्यिकी एवं सहायक ग्रंथियां के कार्य 4 शुक्रजनन, अण्डजनन एवं मासिक चक्र। **6. तंत्रिका तंत्र एवं विशेष इंद्रियांः** 1 C-N-S- के कार्य 2 A-N-S- के कार्य
4	Practical: **1. रक्तः** 1. आरबीसी और डब्ल्यूबीसी गणना, हीमोग्लोबिन 2. डी.एल.सी. गणना 3. रक्त समूह, ईएसआर, सीटी, बीटी **2. सी.वी. एस(रक्त संवहन तंत्र):** 1. मनुष्य में रक्तचाप की जांच और व्यायाम का प्रभाव **3. श्वसन तंत्रः** 1. स्पाइरोमीटर और बी.एम.आर. उपकरणों का उपयोग **4. सीएनएस और विशेष इंद्रियाँ** 1. सीएनएस और विशेष इंद्रियों की जांच

N.K.Sharma
19/10/2023

विषय : 1.7 स्वस्थवृत्त एवं योग व प्राकृतिक चिकित्सा

क्र.सं.	खण्ड – क स्वास्थ्य (व्यक्तिगत, सामुदायिक व सामाजिक) विवरा
1	Unit-1 1. स्वास्थय परिचय 1. स्वस्थवृत्त परिचय 2. स्वास्थ्य की अवधारणा एवं सफल जीवन से सम्बन्ध 3. स्वास्थ्य की परिभाषा 4. स्वास्थ्य के निर्धारक तत्व 5. स्वास्थ्य प्रद आदतों का निर्माण 6. स्वास्थ्य को प्रभावित करने वाले कारक 7. त्वचा आदि की सुरक्षा के उपाय 8. निद्रा 9. व्यायाम 10. विश्राम
2	Unit-2 चर्या विवरण 1. दिनचर्या 2. रात्रिचर्या 3. ऋतुचर्या
3	Unit-3 मानसिक स्वास्थ्य परिचय 1. मानसिक स्वास्थ्य के लक्षण 2. अवस्थानुसार मानसिक स्थिति
4	Unit-4 सद्वृत्त एवं आचार रसायन प्रकरण 1. सद्वृत्त परिचय 2. आचार रसायन
5	Unit-5 धारणीय एवं अधारणीय वेग प्रकरण 1. धारणीय वेग 2. आधारणीय वेग
6	Unit-6 ब्रह्मचर्य प्रकरण 1. ब्रह्मचर्य के लक्षण 2. ब्रह्मचर्य के भेद 3- विवाह योग्य आयु

N.K.Sharma
19/10/2023

7	Unit-7 स्वास्थ्य संरक्षण व जल प्रकरण 1. रोग एवं आरोग्य परिचय 2. प्राथमिक स्वास्थ्य संरक्षण 3. जल परिचय 4. जल के स्त्रोत 5. जल का महत्व एवं आवश्यकता 6. आदर्श जलकूप या कुँआ 7. जल की आपूर्ति 8. स्वच्छता हेतु कार्य योजना 9. मृदु एवं कठोरता जल 10. जल की अशुद्धियाँ 11. जल शुद्धि करने के उपाय 12. दूषित जल से होने वाली व्याधियाँ एवं बचाव के उपाय 13. जल परीक्षण
8	Unit-8 वायु प्रकरण 1. वायु परिचय 2. वायु के कार्य 3. वायु प्रदूषण 4. वायु प्रदूषक के संकेतक 5. वायु प्रदूषण के खतरे 6. सुरक्षा एवं नियन्त्रण के उपाय 7. संवातन के प्रकार
9	Unit-9 निवास स्थान 1. निवास स्थान हेतु योग्य भूमि 2. प्रकाश व्यवस्था 3. खराब आवास एवं स्वास्थ्य 4. उत्तम आवास
10	Unit-10 ध्वनि प्रकरण एवं अपद्रव्य 1. ध्वनि प्रदूषण 2. ध्वनि प्रदूषण के स्त्रोत 3. हानियाँ एवं रोकथाम के उपाय 4. अपद्रव्य एवं उनसे हानियाँ 5. अपद्रव्य के निस्तारण के उपाय

N.K. Sharma
19/10/2023

11	Unit-11 जनपदोध्वंस एवं संक्रामक रोग 1. जनपदोध्वंस के कारण एवं स्वरूप 2. संक्रामक रोग की परिभाषा 3. संक्रमण के प्रकार एवं प्रसार 4. संक्रामक रोग 5. मक्खी, मच्छर से उत्पन्न एवं प्रसारित होने वाले रोग तथा बचाव के उपाय
12	Unit-12 व्याधिक्षमत्व प्रकरण 1. परिचय 2. विसंक्रमण की विधियाँ 3. चिकित्सालय में प्रयुक्त विसंक्रामक द्रव्य
13	Unit-13 विसंक्रमण प्रकरण 1. परिचय 2. विसंक्रमण की विधियाँ 3. चिकित्सालय में प्रयुक्त विसंक्रामक द्रव्य
14	Unit-14 सामाजिक स्वास्थ्य 1. सामाजिक स्वास्थ्य 2. औद्योगिक स्वास्थ्य 3. विद्यालय स्वास्थ्य 4. निरोधक चिकित्सा 5. स्वास्थ्य शिक्षा एवं सम्प्रेषण कला 6. राष्ट्रीय स्वास्थ्य संरक्षण कार्यक्रम 7. सामुदायिक स्वास्थ्य में नर्सिंग का दायित्व 8. स्वास्थ्य मूल्यांकन, स्वास्थ्य संरक्षण, संवर्द्धन एवं पुनर्स्थापन में नर्सिंग का उत्तरदायित्व

N.K. Sharma
19/10/2025

	खण्ड – ख योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा
1	योग प्रकरण 1. योग की परिभाषा 2. योग का प्रयोजन 3. योग के अंग 4. आयुर्वेद में योग का वर्णन 5. स्वास्थ्य रक्षण में योग का महत्व 6. विभिन्न आसनों की उपयोगिता 7. आसनों का स्वास्थ्य पर प्रभाव 8. प्राणायाम की विधि 9. प्राणायाम से व्याधियों का प्रतिकार
2	प्राकृतिक चिकित्सा प्रकरण 1. प्राकृतिक चिकित्सा का प्रयोजन एवं महत्व 2. जल का चिकित्सा में उपयोग 3. पाद प्रक्षालन 4. धौति 5. बस्ति 6. स्नान का महत्व 7. भाप स्नान का प्रयोग व प्रकार 8. मिट्टी मर्दन का चिकित्सा में लाभ 9. सूर्य प्रकाश का महत्व एवं धूप स्नान 10. मर्दन के भेद एवं गुण एवं चिकित्सा में महत्व 11. चिकित्सा में उपवास का महत्व

N. Kshama
19/10/23

B.Sc. Nursing (Ayurveda) Second Year

विषय : 2.1 द्रव्य गुण

क्र.सं.	
1	**प्रथम सोपान** द्रव्य का लक्षण एवं परिभाषा द्रव्य गुण ज्ञान का प्रयोजन रस, गुण वीर्य, विपाक, कर्म एवं प्रभाव का सामान्य परिचय, लक्षण एवं भेद
2	**द्वितीय सोपान** द्रव्यों का संग्रहण एवं संरक्षण विधि।
3	**तृतीय सोपान** द्रव्यों का संक्षिप्त परिचय एवं गुण कर्म ज्ञान। त्रिफला, त्रिकटु, पंचकोल, दशमूल, एला, दालचीनी, तेजपात, नागकेसर, अजवायन, चन्द्रशूर, हिंग, वचा, कुटकी, पुष्कर मूल, कुलंजन, चोपचीनी, बायविडंग, गुडुची, कुटज, मदनफल, कर्कटश्रृंगी, कायफल, मंजीठ, हल्दी, दारूहल्दी, अतीस, लोध्र, भिलावा, भांग, अफीम, धतूरा, वत्सनाभ, जायफल, कुचला, सर्पगन्धा अश्वगंधा, कपूर, चन्दन, जावित्री, जायफल, लोंग, केशर, खस, नेत्रबाला, नागरमोथा, पित्तपापडा, चिरायता, पटोलपत्र, सहिजना, शतावरी, इन्द्रायण, बला, घृतकुमारी पुनर्नवा, भृंगराज, मकोय, मुलेठी, ब्राह्मी, शंखपुष्पी, गोजिहवा, लेहसवा, जूफा, अकरकरा, तालिशपत्र, ज्योतिष्मती, कांचनार, बाकुची, आरग्वध, गुग्गुल, अशोक, खदिर, अपामार्ग, वासा, सोनामुखी एरण्ड, अके, रसोन, कपिकच्छ, शरपुंखा, गुडहल, सुरदर्शन पर्णबीज, नारिकेल, बबूल, नीम
4	**चतुर्थ सोपान** जान्तव द्रव्यों का परिचय व गुण धर्म का ज्ञान कस्तुरी, गोरोचन, कपर्द, शखं, शुक्ति, प्रवाल, मुक्ता, अम्बर, मृगश्रृंग, शम्बूक।

विषय : 2.2 रसशास्त्र

क्र.सं.	
1	रसशास्त्र का परिचय एवं इतिहास का संक्षिप्त वर्णन
2	परिभाषा प्रकरण – लवणपञ्चक, मधुरत्रय, अम्लवर्ग, पंचगव्य, द्रावकगण, रसपंक, भावना, ढालन, आवाप, निर्वाप, शोधन, मारण तथा भस्म परीक्षा का वर्णन
3	औषध निर्माण में प्रयुक्त यन्त्र एवं उपकरण परिचय, दोलायन्त्र, डमरूयन्त्र,
4	पुट – महापुट, गजपुट, वाराहपुट, कुक्कुटपुट, कपोतपुट, गोमयपुट, बालूपुट, भूधरपुट तथा लावकपुट का वर्णन।
5	रस – साधारणरस, उपरस, महारस, धातु, उपधातु, रत्नोपरत्न, विषोविष का सामान्य परिचय, शोधन एवं मारणविधि का वर्णन
6	कज्जली, अभ्रकभस्म, मयूरपिच्छभस्म, मणडूरभस्म, मुक्तापिष्टी, प्रवालपिष्टी, जहरमोहरापिष्टी, अकींकपिष्टी, त्रिभुवनकीर्तिरस, लक्ष्मीविलासरस, आनन्दभैरवरस, वासकुठाररस, चन्द्रामृतरस, सूतशेखररस, इच्छाभेदीरस, पुनर्नवामण्डूर, नवायसलौह, सप्तामृतलौह, पंचामृतपर्पटी, रसपर्पटी,

M.K.Sharma
19/10/23

	श्वेतपर्पटी तथा रससिन्दूर, समीरपन्नगरस, मकरध्वज आदि की निर्माणविधि, गुणकर्म एवं मात्रा का वर्णन
7	मान परिभाषा – पौतवमान, मागधमान तथा कलिंग मान का परिचय, आधुनिक मान का परिज्ञान।
8	औषध मिश्रण पद्धति – चिकित्सा में प्रयुक्त औषधियों के अनुपात, सम्मिश्रण तथा मात्रा का परिज्ञान।
9	औषध मिश्रण पद्धति (द्वादश) तथा अनुपान, चिकित्सा व्यवस्था – पत्रक के संकेतिक चिन्हों का ज्ञान।
10	यन्त्र, उपकरण तथा अन्य साधन सामग्री और कच्ची एवं निर्मित औषधियों को व्यवस्थित रखने की समुचित जानकारी का ज्ञान, निर्मित औषधियों की शीशियों पर लेबल लगाने की विधि का ज्ञान
11	भैषज्य कल्पना – पंचविधकषाय कल्पना, क्षीरपाक, स्नेहसिद्ध, संधान कल्पना, अवलेह चूर्ण, वटी शार्कर, वर्ति, अर्क, क्षार – सत्व, गुलकन्द, मुरब्बा निर्माण की प्रक्रिया उदाहरण सहित।
12	पथ्य निर्माण – आहारकल्प तथा यूष, युवागू, वेश्वार, प्रमथ्या, मण्ड, पेया, विलेपी मन्थ, कन्द उष्णोदक तथा सिद्धादक (पडंगपानीय) के निर्माण का ज्ञान।

विषय : 2.3 रोग एवं विकृति विज्ञान

क्र.सं.	खण्ड – क (रोग विकृति विज्ञान)
1	**Unit - 1** **रोग एवं विकृति विज्ञान रोग** 1. व्याधि परिभाषा, सामान्य निरूपण 2. व्याधियाँ के प्रकार आगन्तुज निज शारीरिक मानसिक आदि बल प्रवृतादि
2	**Unit - 2** **रोग वर्गीकरण** 1. व्याधि क्षमत्व प्रकरण परिचय 2. व्याधिक्षमत्व के भेद 3. राष्ट्रीय टीकाकरण सारणी
3	**Unit - 3** **रोगी परीक्षा विधिया** 1. त्रिविध 2. अष्टविध 3. दशविध
4	**Unit - 4** **जनपदोध्वंस** जनपदोध्वंस के कारण एवं स्वरूप

N.K. Sharma
19/10/23

5	**Unit - 5** निदान पंचम व षट्क्रियाकाल
	खण्ड – ख (औपसर्गिक रोग)
6	**Unit - 6** संक्रामक रोग (Communicable Disease) 1. संक्रामक रोग की परिभाषा 2. संक्रमण के प्रकार एवं प्रसार 3. संक्रमण रोग (क) प्रोटीजोआ (ख) जीवाणुं (ग) विषाणु (घ) रिकेटिसया 4. संक्रमण रोग प्रतिषेध (क) अनिवार्य विज्ञप्ति (ख) पृथक्करण (ग) स्वस्थवृत्त के नियम पालन (घ) विसंक्रमण (ड़) टिकाकरण का प्रयोग (च) मक्खी, मच्छर आदि से उत्पन्न रोग एवं बचाव
7	**Unit - 7** असंक्रामण रोग (Non Communicable Disease) (क) कैंसर (ख) डायबिटिज (ग) Blindness (घ) Coronary heart Disease (ड़) Hypertension (च) Stroke (छ) Rheumatic Heart Disease
8	**Unit - 8** विसंक्रमण विधियां 1. परिचय 2. विसंक्रमण की विधिया 3. चिकित्सालय में प्रयुक्त विसंक्रमण द्रव्य
9	प्रायोगिक चिकित्सकीय एवं नैदानिक यंत्रोपकरणों का परिचय भौतिक – रक्त, मूत्र पुरीष, ष्ठीवन परीक्षण Seman Analysis

NKSharma
19/10/2023

विषय : 2.4 चिकित्सा परिचर्या

क्र.सं.	
1	चिकित्सा परिचर्या
2	रोगोत्पादक के सूक्ष्म जीवन परिचय
3	रक्त
4	चिकित्सा की परिभाषा एवं भेद
5	प्राणवहस्त्रोंतस की व्याधियों का परिचय
6	उदकवहस्त्रोतस् की व्याधियों का परिचय
7	अन्नावह स्त्रोतोंगत व्याधि पिरचय
8	रसवह स्त्रोंतस की व्याधियों का परिचय
9	रक्तवह स्त्रोंतस की व्याधियों का परिचय
10	मांसवह स्त्रोंतस की व्याधियों का परिचय
11	प्रमेह
12	क्लैव्य परिचय
13	अतिसार व्युत्पत्ति
14	मूत्राघात
15	विषमज्वर का परिचय

विषय : 2.5 मानस रोग

क्र.सं.	
1	**मन एवं मानसिक स्वास्थ्य** मन का परिचय, मन की निरूक्ति, मन का लक्षण, मन के गुण, मन के विषय, मन के कर्म मानसिक प्रकृति मानसिक स्वास्थ्य मानसिक अस्वास्थ्य मानसिक रूप से स्वस्थ व्यक्ति की विशेषताएँ एवं लक्षण मानसिक स्वस्थ व्यक्ति के लक्षण मानसिक स्वास्थ्य को प्रभावित करने वाले कारक
2	**मन की रक्षात्मक क्रियाविधि** मनोरचना का परिचय परिभाषा वर्गीकरण मनोभावों का महत्व
3	व्यक्तित्व एवं व्यक्तित्व के प्रकार परिचय, परिभाषा

N.K.Sharma
19/10/2023

	व्यक्तित्व को प्रभावित करने वाले कारक व्यक्तित्व के प्रकार व्यक्तित्व विकास के सिद्धान्त
4	मानसिक स्वास्थ्य का आकलन मनोरोगी का इतिहास संग्रहण साक्षात्कार तकनीक मानसिक स्तर परीक्षण
5	**मानसिक रोगों के बारे मे गलत धारणाएँ** गलत धारणाएँ धारणाओं के प्रतिषेध के उपाय
6	**मनोरोग एवं नर्सिंग प्रबन्धन** मनोरोगों का कारण मनोरोगों का वर्गीकरण मनोरोग के लक्षणों से सम्बन्धित शब्दावली
7	**मानसिक व्याधियाँ** **आयुर्वेदीय मानसिक व्याधियाँ** उन्माद रोग, अपस्मार रोग, अतत्वाभिनिवेश, मद, मूर्च्छ व सन्यास अपतन्त्रक रोग **आधुनिक मानसिक व्याधियाँ** जैविक मनोरोग मनोभ्रंश सिजोफ्रेनिया न्यूरोटिक विचार उद्वेग विकार भययुक्त विकार विचार एवं क्रियाबद्धता विकार मनोविच्छेदन प्रतिक्रिया मनोदैहिक विकार मनोत्तेजक पदार्थों के सेवन से उत्पन्न विकार
8	**मानस रोगों से चिकित्सा** चिकित्सा प्रकरण मानस रोगों में आयुर्वेदीय चिकित्सा दैवव्यापाश्रय चिकित्सा युक्तिव्यपाश्रय चिकित्सा सत्वावजय चिकित्सा **मानस रोगों में आधुनिक चिकित्सा**

M.K.Sharma
19/10/2021

B.Sc. Nursing (Ayurveda) Third Year

विषय : 3.1 बाल रोग

क्र.सं.	खण्ड – क
1	**Unit – 1** **कौमारभृत्य परिचय** 1. कौमार्यभृत्य परिभाषा एवं महत्व 2. वय विभाजन 3. समय पूर्व प्रसव व कालातीत प्रसव प्रबन्धन
2	**Unit – 2** **शिशु परिचर्या** 1. परिचर्या व्याख्या 2. जातमात्र बालक की परिचर्या 3. नवजात बालक की परिचर्या 4. नवजात बालक को प्रथम सप्ताह में होने वाली व्यापत्तियाँ शिशु शैयया निर्माण 5. नाभिनाल से रक्तस्त्राव पाक 6. नवजात कामला 7. बालरोग परीक्षा विविध 8. बालरोगों की चिकित्सा
3	**Unit – 3** **धात्री एवं स्तन्य विवरण** 1. मातृस्तन्य के अभाव में प्रशस्त धात्री 2. स्तन्य परीक्षा 3. स्तनपान का समय एवं मात्रा
4	**Unit – 4** **क्षीरप अवस्था में परिचर्या** 1. क्षीरप अवस्था में तरल आहार 2. वयानुसार शारीरिक वृद्धि व मानसिक विकास 3. टीकाकरण – प्रतिरक्षीकरण
5	**Unit – 5** **क्षीरान्नाद अवस्था में परिचर्या** 1. क्षीरान्नाद अवस्था 2. दन्तोद्भेद
6	**Unit – 6** **अन्नाद अवस्था में परिचर्या** 1. अन्नाद अवस्था 2. मातृस्तन्य छुड़ाने की विधि 3. किशोरावस्था

N.K. Sharma
19/10/2023

	खण्ड – ख
7	**Unit – 7** **बालरोग प्रकरण** **1.** खण्डौष्ठ **2.** तालु विकृति **3.** मूकत्व **4.** नेत्राभिष्यन्द **5.** मुखपाक **6.** बालातिसार **7.** विबन्ध **8.** मरास्मस **9.** क्वाशियोक्योर **10.** बाल पक्षाधात **11.** कामला **12.** रोमान्तिका
8	**Unit – 8** **राष्ट्रीय कार्यक्रम** 1. Reproductive & Child health Programme. 2. Community Nutritional Programmes (a) Vitamin A prophylaxis Program (b) Prophylaxis against Nutritional Anemia (c) Iodine Definiency Control Program (d) Special Nutritional Program (e) Balwadi Nutrition Program (f) Integrated Child Development Services Scheme (g) Mid Day Meal program (h) Mid Day meal scheme
9	**Unit – 9** मातृ एवं शिशु कल्याण कार्यक्रम (Maternal and Child Health Program) 1. Mother and Child 2. Postnatal Care 3. Neonatal Care

N.K Sharma
19/10/2023

विषय : 3.2 प्रसूति स्त्री रोग

क्र.सं.	खण्ड – क (प्रसूति विज्ञान)
1	**Unit – 1** प्रसूति तन्त्र एवं स्त्री रोग 1. व्याख्या 2. प्रसूति स्त्री रोग का महत्व 3. आयुर्वेद में प्रसूति स्त्री रोग की स्थिति
2	**Unit – 2** आर्तव एवं गर्भाधन प्रकरण (अ) शुक्र परिचय 1. शुद्ध शुक्र का लक्षण 2. शुक्रदुष्टि के कारण एवं सम्प्राप्ति 3. शुक्र के दोष 4. वीर्य दोष के लक्षण 5. चिकित्सा (ब) स्त्री शुक्र आर्तव परिचय 1. पर्याय 2. आर्तव का निर्माण 3. स्त्रियों का आर्तवकाल 4. आर्तव चक्र 5. रजःक्षय 6. शुद्ध आर्तव का स्वरूप 7. आर्तव का वर्ण 8. आर्तव काल 9. आर्तव का प्रमाण 10. रजःस्त्राव का अन्तराल 11. रजःस्त्राव का लक्षण 12. स्त्राव का संघटन (स) ऋतुमती के लक्षण 1. ऋतुकाल 2. ऋतुमती 3. ऋतुमतीचर्या
3	**Unit – 3** गर्भावस्था प्रकरण 1. गर्भाधान 2. गर्भिणी के लक्षण 3. पुंसवन संस्कार 4. गर्भ का मासानुमासिक विकास 5. गर्भिणी परिचर्या 6. गर्भिणी के लिए मासानुमासिक पथ्य 7. गर्भिणी के सामान्य रोग 8. गर्भिणी के टीकाकरण 9. गर्भस्त्राव एवं गर्भपात

N.K Sharma
19/10/2023

4	**Unit – 4** प्रसवावस्था प्रकरण 1. प्रसव 2. आसन्न प्रसवा के लक्षण 3. प्रसव वेदना व मिथ्या वेदना में अन्तर 4. प्रसव की अवस्थाएँ 5. प्रसव का प्रबन्धन 6. प्रसवागार की व्यवस्थाएँ 7. गर्भ की प्राकृत एवं विकृत स्थिति
5	**Unit – 5** सूतिकावस्था प्रकरण 1. सूतिकाकाल 2. सूतिकारोग 3. सूतिका उपद्रव 4. सूतिका परिचर्या
	खण्ड – ख (स्त्री रोग विज्ञान)
6	**Unit – 6** सामान्य स्त्री रोग प्रकरण – व्याख्या, कारण, भेद, चिकित्सा 1. असृग्दर या रक्तप्रदर (Meterorrhagia) 2. कृच्छ्रर्तव (Dysmenorrhoea) 3. आर्तव्य – रक्त्पार्तव (Oligomenorrhoea) 4. श्वेत प्रदर (Leucorrhoea) 5. रजोनिवृति (Menopause) 6. बन्ध्यत्व (Infertility) 7. गर्भाशय – योनिभ्रंश (Uterovagimal Prolapse)
7	**Unit – 7** स्तनरोग प्रकरण – व्याख्या, कारण, लक्षण, प्रकार, चिकित्सा 1. स्तन रोग 2. स्तन विद्रधि 3. स्तनार्बुद 4. स्तनदोष

8	**Unit – 8**
	परिवार कल्याण कार्यक्रम
	1. Demography
	2. Family Planning
	3. Methods of Contraception
	4. Natural Contraception
	5. Intrauterine Devices
	6. Hormonal Contraceptives
	7. Injectables
	8. Implants
	9. Permanent Method of Contraception
	   1. Male Sterilization
	   2. Female Sterilization
	10. गर्भ निरोधक उपाय

N.K.Sharma
19/10/2025

विषय : 3.3 पंचकर्म

क्र.सं.	खण्ड – क
1	**Unit - 1** पंचकर्म की परिभाषा, प्रयोजन एवं महत्व
2	**Unit - 2** पूर्वकर्म – स्नेहन – अभ्यंग विवेचन, काल, प्रयुक्त स्नेह द्रव, गुण, अभ्यंग विधि (Mode of Massage) स्नेहपान, प्रकार, काल, मात्रा, अनुपान, सावधानियाँ, हीन, अतिसम्यक, स्नेहपान के लक्षण, स्नेहव्यापद।
3	**Unit - 3** वमन – वमन परिचय, विधि, वमनोपग एवं वामक द्रव्य का ज्ञान, सम्यक वमन के लक्षण, हीन, अतियोग के लक्षण, संसर्जन क्रम, वमन व्यापद एवं नर्सिंग परिचर्या।
4	**Unit - 4** विरेचन – विरेचन परिचय, विधि – विरेचनोपग एवं विरेचन द्रव्य का ज्ञान, सम्यक विरेचन के लक्षण, हीन, अतियोग के लक्षण, संसर्जन क्रम, विरेचन, व्यापद एवं नर्सिंग परिचर्या।
5	**Unit - 5** बस्ति – परिचय, बस्ति निर्माण विधि, बस्ति देने की विधि, बस्ति के प्रकार – निरूह, अनुवासन, कालकर्म एवं योनिबस्ति, उत्तरबस्ति, बृंहणबस्ति, माधु तैलिक एवं मात्राबस्ति का परिचय एवं ज्ञान, सम्यक, हीन, अतियोग के लक्षण, बस्ति व्यापद एवं नर्सिंग परिचर्या।
6	**Unit - 6** नस्य – परिचय, विधि, प्रकार, बृंहण, शोधन नस्य का ज्ञान, सम्यक, हीन, अतियोग के लक्षण एवं नर्सिंग परिचर्या।
7	**Unit – 7** रक्तमोक्षण – परिचय, विधि, प्रकार, श्रृंग, जलौका बलाबू, शिरोवेध, रक्त की मात्रा का ज्ञान, सम्यक, हीन, अतियोग के लक्षण एवं नर्सिंग परिचर्या।
8	**Unit - 8** कैरलीय पंचकर्म – परिचय, (A) धाराकर्म – शिरोधारा, उपकरण, प्रकार, तक्रधारा, क्षीरधारा, तैलधारा, निर्माझा एवं प्रयोगविधि। (B) पिण्ड स्वेद – पत्रपिण्ड स्वेद, शालिशाष्ठी पिण्ड स्वेद, परिचय, प्रयुक्त द्रव्य, निर्माण एवं क्रिया विधि। (C) कायसेक – शिरोबस्ति, पिडिच्छिल (Pizichil) परिचय, प्रयुक्त स्नेह, निर्माण एवं क्रिया विधि (D) शिरोलेप – परिचय, प्रयुक्त द्रव्य, निर्माण विधि एवं क्रियाविधि (E) अन्नलेप – परिचय, प्रयुक्त द्रव्य, निर्माण एवं क्रियाविधि।

विषय : 3.4 शल्य तंत्र

क्र.सं.	
1	**Unit - 1** शल्य परिचर्या का परिचय एवं क्षेत्र 1. शल्य तंत्र 2. शल्य परिचर्या का परिचय एवं क्षेत्र 3. व्रण शोथ 4. विद्रधि 5. व्रण
2	**Unit - 2** शल्यनिर्हरण 1. शल्यनिर्हरण का लक्षण 2. शल्यनिर्हरण का उपाय 3. अष्टविध शस्त्रकर्म का ज्ञान

N.K.Sharma
19/10/2023

3	**Unit - 3** रक्तस्तम्भन 1. रक्तस्त्राव को रोकन के उपाय 2. अग्निकर्म 3. दग्ध 4. अलाबू 5. रक्तावसेचन 6. प्रच्छान विधि 7. क्षारकर्म 8. जलौकापातन विधि 9. विरावेध विधि
4	**Unit - 4** अग्रोपहरणीय 1. त्रिविध कर्म 2. यन्त्र – शस्त्र का प्रकार, संख्या, कर्म गुण दोष 3. पिचु, प्लोत, कवलिका, कुशा
5	**Unit - 5** व्रणितोपासन का सामान्य ज्ञान एवं परिचर्या 1. व्रणितोपासन का सामान्य परिचय 2. विसंक्रमण का ज्ञान 3. व्रण बन्धन के प्रकार एवं विधियों का ज्ञान
6	**Unit - 6** गुदज विकार 1. गुदज विकार – अर्श, भगन्दर, परिकर्तिका 2. गुद भ्रंश का सामान्य ज्ञान एवं परिचर्या
7	**Unit - 7** भग्न एवं संधिच्युति का सामान्य ज्ञान एवं परिचर्या 1. भग्न एवं संधिच्युति का सामान्य ज्ञान एवं परिचर्या 2. प्लास्टर ऑफ पेरिस द्वारा बन्धन ज्ञान

विषय : 3.5 शालक्य तन्त्र

क्र.सं.	
1	**Unit - 1** अश्मरी (पित्ताशय एवं मूत्रवह स्त्रोतस की अश्मरी) Introduction for Urolithiasis & Cholelithiasis 1. अशमरी (पित्तशय एवं मूत्रवह स्त्रोतस की अश्मरी) का सामान्य ज्ञान
2	वृद्धि रोग का सामान्य परिचय एवं परिचर्या Introduction & Care for Herniation 1. वृद्धिरोग का सामान्य परिचय 2. वृद्धिरोग की परिचर्या
3	नेत्र रोगों की सामान्य चिकित्सा एवं परिचर्या Introduction of Care of Eyes 1. नेत्र शारीर 2. नेत्ररोग संख्या 3. नेत्ररोग का निदान 4. नेत्ररोग की सामान्य सम्प्राप्ति 5. क्रियाकल्प

M.K.Sharma
19/10/2022

4	नासा शारीर (Anatomy & Physiology of Nose) 1. नासिका शारीर 2. नासारोग संख्या 3. नासारोग का सामान्य लक्षण एवं परिचय 4. नस्य में योगायोग का निरीक्षण
5	कर्ण शारीर (Ear) 1. कर्ण की संरचना 2. कर्ण की क्रिया विधि 3. आयुर्वेदीय कर्णशारीर 4. कर्ण रोगों की संख्या 5. कर्ण रोगों की सम्प्राप्ति और निदान
6	मुख शारीर (Mouth) मुख का स्वरूप मुख शारीर मुखरोग संख्या
7	शिरोरोग (Headache) 1. शिरोरोगों की संख्या 2. शिरोरोग के कारण 3. सामान्य शिरोरोग चिकित्सा 4. शिरोरोगों में पथ्य 5. शिरोरोगों में अपथ्य

विषय : 3.6 जरा चिकित्सा परिचर्या

क्र.सं.	
1.	**Unit - 1** जरावस्था एवं जरावस्थाजन्य व्याधियाँ (Oldage & Oldage Diseases) 1. जरावस्था परिचय एवं परिचर्या 2. जरावस्था जन्य व्याधियों का परिचय एवं परिचर्या 1. जराशोष (Atrophy in Oldage) परिचय, लक्षण, परिचर्या 2. वृद्धावस्थाजन्य मनोविकार ;Psychosis in Oldage) परिचय, लक्षण, परिचर्या 3. अल्जाइमर रोग (Alzheimer in Oldage) परिचय, लक्षण, परिचर्या 4. आमवात् एवं सन्धिवात् तथा अस्थिक्षरण (Rheumatic & Ostioporosis, Bone Degeneration) परिचय, लक्षण, परिचर्या 5. हृदय रोग (Heart Diseases) परिचय, लक्षण, परिचर्या 6. कैंसर (Cancer) परिचय, लक्षण, परिचर्या 7. गुर्दे के रोग (Kidney Disorder) परिचय, लक्षण, परिचर्या 8. नेत्र रोग (Eye Disease) परिचय, लक्षण, परिचर्या

N.K. Sharma
19/01/2023

	9. चर्म रोग (Skin Disease) परिचय, लक्षण, परिचर्या 10. उच्च रक्तचाप परिचय, लक्षण, परिचर्या 11. पौरूष ग्रंथि वृद्धि (Prostate Enlargement) परिचय, लक्षण, परिचर्या 12. मधुमेह रोग (Diabetes) परिचय, लक्षण, परिचर्या 13. श्वास कृच्छता (Asthama) परिचय, लक्षण, परिचर्या 14. राजयक्षमा (Tubeculosis) परिचय, लक्षण, परिचर्या 15. नपुंसकता (Impotency) परिचय, लक्षण, परिचर्या
2.	**Unit - 2** रसायन (Rejuvenation Therapy) 1. परिचय एवं परिभाषा 2. रसायन के गुण 3. रसायन के प्रकार 4. रसायन की प्रयोग विधि 5. रसायन कर्म की उपयोगिता का विवेचन 6. रसायन कर्म में नर्सिंग परिचर्या
3.	**Unit - 3** वाजीकरण (Vajikaran 'Aphrodisiacs') 1. वाजीकरण परिचय एवं परिभाषा 2. वाजीकरण द्रव्य 3. वाजीकरण द्रव्य के सेवन की विधि **4.** वाजीकरण द्रव्यों की उपयोगिता एवं महत्व

विषय : 3.7 आयुर्वेद नर्सिंग अनुसंधान पद्धति

क्र.सं.	
1.	1. अनुसंधान का परिचय 2. अनुसंधान शब्द की परिभाषा 3. आयुर्वेद के क्षेत्र में शोध की आवश्यकता 4. अनुसंधान प्रक्रिया में सामान्य दिशानिर्देश एवं उच्चारण 5. शोध समस्या को परिभाषित करना एवं परिकल्पना का निरूपण 6. सामान्य एवं विशिष्ट उद्देश्यों को परिभाषित करना। 7. अनुसंधान के शास्त्रीय तरीके 1. प्रत्यक्षादि प्रमाण परीक्षा की अवधारणा, उनके प्रकार एवं आयुर्वेद में अनसुंधान के लिए अनुप्रयोग। 2. द्रव्य गुण कर्म परीक्षण पद्धति 3. औषधि योग परीक्षण पद्धति 4. स्वस्थ, आतुर परीक्षा पद्धति 5. दशविध परीक्ष्य

NK Sharma
19/10/2023

-NABH(National Accreditation Board for Hospitals and Health Care Providers) का परिचय, उद्देश्य (Purpose), NABH के प्रकार, NABH के सभी अध्यायों पूर्ण निवारण NABH की चिकित्सालय में प्रासंगिकता; ISO सूचक का तात्पर्य,

-NABH(National Accreditation Board for Testing and calibrations Laboratories) का परिचय,NABL के लिए प्रयोगशाला में आवश्यक संसाधन, NABL का उद्देश्य, NABL का Lab के लिए Certificate की आवश्यकता, NABL Certificate प्राप्त करने की प्रक्रिया।

-Hospital Management का सामान्य ज्ञान, परिचय, प्रयोजन,आवश्यकता, Hospital Management System,सूचना तन्त्र (Information System) का ज्ञान।

-Bio waste का परिचय,संग्रहण, पृथकरण, निस्तारण
Bio Medical waste के प्रकार,
Bio के 6 प्रकार के संग्रहण पात्र (Dustbins)
BMWM (Biomedical West Management) का परिचय, आवश्यकाता, नियम (Rules)

विषय : 3.8 आत्ययिक चिकित्सा परिचर्या

क्र.सं.	
1	**Unit - 1** आत्ययिक व्याधि निदान चिकित्सा 1. आत्यय परिभाषा 2. आत्ययिक परिभाषा 3. आत्ययिकता परिभाषा 4. प्राथमिक उपचार 5. प्राथमिक चिकित्सा की परिभाषा 6. दुर्घटना जन्य आयियक अवस्थायें एवं प्राथमिक चिकित्सा उपचार 1. वर्ण या घाव 2. मोच (Sprains & dislocation) 3. अस्थिभग्न (Fracture) 4. अग्नि दग्ध (Burn & Scalds) 5. रक्त स्त्राव (Haemorrhage) 6. आघात (Shock) 7. विषजन्य आत्ययिकता 8. विषैले जीव जन्तुओं के काटने की विषाक्तता 9. Poison & its Antidotes Table
2	**Unit - 2** आपदा जन्य अवस्थायें 1. मानव निर्मित आपदायें 2. प्राकृतिक आपदायें 3. प्राथमिक उपचार का उद्देश्य 4. प्राथमिक उपचार के मूल सिद्धांत 5. प्राथमिक उपचार के महत्वपूर्ण नियम
3	**Unit - 3** रोग जन्य आतयिक अवस्थायें एवं उनका प्राथमिक उपचार 1. तीव्र ज्वर की अवस्था (High Grade Fever) 2. हिक्का या हिचकी (Hiccup) 3. आत्यधिक वमन (Excessive Vomiting) 4. तीव्र उदर शूल (Acute Abdominal Pain) 5. शीतावसाद (Callapse) 6. नाक से रक्तस्त्राव (Epistaxis) 7. मूर्च्छा (Synocope) 8. अतिसार (Diarrhoea) 9. योनिगत रक्त स्त्राव (Viginal Bleeding)
4	**Unit - 4** 1. आत्ययिक एवं सामान्य रोगों में अन्तर 2. सामान्य रोगों के आत्ययिक बनने के कारण एवं उनके निवारण। 3. आत्ययिक आयुर्वेदिक औषधियां

N.K. Sharma
19/10/2023